भारत सरकार

मत्स्यसरकपालनमाशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 1540

दिनांक 11 फरवरी, 2020 के लिए प्रश्न

विषय: वर्ष 2030 तक जीरो ह्यूमन रैबीज

1540. डॉ॰ (प्रो॰) महेन्द्र मुंजपराः

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू॰एच॰ओ॰) , खाद्य और कृषि संगठन (एफ॰ए॰ओ॰), अंतर्राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य संगठन (आईओएएच) और ग्लोबल एलायंस फॉर रेबीज कंट्रोल (जी॰आर॰ए॰सी॰) द्वारा किए गए किसी भी काम के लिए वर्ष 2030 तक जीरो ह्यूमन रैबीज हासिल करने पर सहमति हुई है;

(ख) यदि हां, तो इसके लिए अभी तक उठाए गए काम की स्थिति क्या है और ये संस्थाएं/एजेंसियां किन संगठनों और किसके साथ जुडी हुई हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री

(डॉ. संजीव कुमार बालियान)

(क) जीं, हां। उपलब्ध सूचना के अनुसार , विश्व पशु स्वास्थय संगठन (ओआईई) 2030 (2030 तक शून्य) तक मानवों में कुत्ते के कारण होने वाली रेबीज के उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए रेबीज के खिलाफ एकजुट (यूएआर) भागीदारों अर्थात विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) , संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और रेबीज नियंत्रण के लिए वैश्विक गठबंधन (जीएआरसी) के साथ निकटता से सहयोग कर रहा है।

(ख) और (ग): ओआईई एक मानक स्थापित संगठन है और रेबीज समेत पशुरोग नियंत्रण के लिए दिशानिर्देश और प्रोटोकॉल भी विकसित करता है। देश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्लू) द्वारा स्वीकृत राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम (एनआरसीपी) को लागू करने के लिए त्रिपक्षीय (ओआईई , डब्लूएचओ और एफएओ) के साथ तकनीकी सहयोग करने के लिए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनसीडीसी) , स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली नोडल एजेंसी है। सहयोग निम्नलिखित प्रगति के साथ मानव और पशुचिकित्सा स्वास्थ्य प्रणालियों का मजबूती के साथ एकीकरण रेबीज की रोकथाम के लिए एक समन्वित आधार प्रदान करता है:

- स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए उपयुक्त रूप से पशु काटने का प्रबंधन और रेबीज पोस्ट एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
- मानव रेबीज निगरानी प्रणाली को मजबूत करना।
- रेबीज के निदान के लिए राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम (एनआरसीपी) के अंतर्गत क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं को मजबूत बनाना।
- समुदाय में समर्थन और संप्रेषण और सामाजिक लामबंदी के माध्यम से जागरूकता पैदा करना।
- रेबीज की रोकथाम और नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य और पशुचिकित्सा क्षेत्र के बीच अंतर-क्षेत्रीय समन्वय को मजबूत करना।

******